

अध्याय - 6 | भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

QUIZ
PART-08

1. पवन द्वारा चट्टानों के छोटे कणों व धूल को उठाने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?

- A. अपरदन
B. अपवाहन
C. निस्तारण
D. अपक्षय (B)

व्याख्या: पवन द्वारा चट्टानों के छोटे कण एवं धूल उठाने की प्रक्रिया अपवाहन कहलाती है।

2. पवन का कार्य मुख्य रूप से किस क्षेत्र में प्रभावी होता है?

- A. घने वनों वाले क्षेत्र
B. पर्वतीय क्षेत्र
C. मरुस्थलीय क्षेत्र
D. हिमनद क्षेत्र (C)

व्याख्या: पवन का कार्य मरुस्थलीय क्षेत्रों में अधिक प्रभावी होता है जहाँ वनस्पति का अभाव होता है।

3. पेडीमेंट किस प्रकार की स्थलाकृति है?

- A. हिमनद द्वारा निर्मित
B. नदी द्वारा निर्मित
C. पवन द्वारा अपरदन से निर्मित
D. समुद्री तरंगों द्वारा निर्मित (C)

व्याख्या: पेडीमेंट पवन द्वारा पर्वत अग्रभाग के अपरदन से निर्मित कम ढाल वाला चट्टानी क्षेत्र है।

4. रेतीले कणों के टकराने से चट्टानों के घिसने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?

- A. क्षरण
B. अपक्षय
C. अपहरण
D. कर्/अपघर्षण (D)

व्याख्या: पवन से उड़ते रेतीले कण चट्टानों से टकराकर उन्हें घिसते हैं, इसे कर्/अपघर्षण कहा जाता है।

5. इनसेलबर्ग का निर्माण किससे होता है?

- A. पवन के निक्षेपण से
B. पवन के अपरदन से
C. हिमनद के अपरदन से
D. नदी के जमाव से (B)

व्याख्या: इनसेलबर्ग पवन द्वारा पर्वत अग्रभाग के क्षरण से बनने वाली अवशेष स्थलाकृति है।

6. पवन द्वारा निक्षेपित रेतीले पदार्थ से बनने वाली अर्धचंद्राकार आकृति क्या कहलाती है?

- A. पेडीमेंट
B. बरखान
C. छत्रक
D. अपवाहन गर्त (B)

व्याख्या: पवन के निक्षेपण से अर्धचंद्राकार बालू का टीला बनता है जिसे बरखान कहते हैं।

7. पवन को छंटाई करने वाला कारक क्यों कहा जाता है?

- A. वह कणों का आकार बढ़ाती है
B. वह कणों को आकार अनुसार अलग करती है
C. वह चट्टानों को पिघलाती है
D. वह जल का प्रवाह बढ़ाती है (B)

व्याख्या: पवन कणों को उनके आकार के अनुसार अलग करके उन्हें ले जाती है, इसलिए यह छंटाई करने वाला कारक है।

8. मरुस्थल में उच्च धरातल समतल होकर कौन-सी स्थलरूप बनती है?

- A. पेडीप्लेन
B. पेडीमेंट
C. टिब्बा
D. छत्रक (A)

व्याख्या: मरुस्थलीय प्रदेश में उच्च धरातल समतल होकर पेडीप्लेन बनाता है।

9. छत्रक किससे बनता है?

- A. वर्षा द्वारा
B. समुद्री तरंगों से
C. नरम चट्टानों के ज्यादा घिसने और कठोर चट्टानों के ऊपर बचने से
D. हिमनद द्वारा (C)

व्याख्या: नरम चट्टान अधिक घिस जाती है और कठोर चट्टान ऊपर बचकर छत्ररूपा बन जाती है जिसे छत्रक कहते हैं।

10. अनुप्रस्थ बालू-टिब्बे किस दिशा में बनते हैं?

- A. पवन की दिशा में समानांतर
B. पवन की दिशा के समकोण पर
C. जल प्रवाह के साथ
D. चट्टान परतों के समानांतर (B)

व्याख्या: अनुप्रस्थ टिब्बे प्रचलित पवन दिशा के समकोण पर बनते हैं।